एमनिंट प्रटिमेकर्स ऑफ़ इंडिया प्रदर्शनी का उद्घाटन

ललति कला अकादमी द्वारा आयोजति **प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय प्रनि्ट बनिाले** के माध्यम से **''एमनिंट प्रटिमेकर्स ऑफ़ इंडिया"** प्रदर्शनी द्वारा भारतीय प्रटि मेकर्स को एक वशिष्टि सम्मान दयिा जा रहा है। प्रदर्शनी का शुभारम्भ आज एन.जी.एम.ए., नई दल्लिी में हुआ। प्रदर्शनी के उद्घाटन पर बोलते हुए कार्यक्रम के **मुख्य अतथि और भारतीय सांस्कृतकि संबंध परषिद्(ICCR) के अध्यक्ष श्री वनिय सहस्त्रबुद्धे** ने कहा, "मैं ललति कला अकादमी को देश का प्रथम प्रटि बनिाले आयोजति करने पर हार्दकि बधाई देता हूँ। ललति कला अकादमी और एन जी एम ए दोनों अपनी अपनी तरह से भारतीय कला जगत की सेवा करते रहें हैं और इस उल्लेखनीय आयोजन के लिए दोनों संस्थानों का साथ आना एक ऐतहिासकि क़दम है।"

अन्तर्राष्ट्रीय और भारतीय कलाकार समुदाय की ओर से बोलते हुए **श्री स.िएस. कृष्ण सेट्टी, प्रशासक, ललति कला अकादेमी** ने बताया ''भारत और एशयिा के समकालीन कलाकारों के पास प्रनि्टमेकगि की एक लम्बी और ऐतहिासकि रूप से महत्वपूर्ण वरिासत है। प्रनि्टमेकर्स की हमारी पूर्व पीढ़ियाँ एशयिाई स्रोतों से इस माध्यम के कला सौन्दर्य से प्रभावति थीं इसलिए उनकी कृतयिों के माध्यम से उनके देशों के बीच संबंध स्थापति हुए। एन.जी.एम.ए. जैसे प्रतष्ठिति मंच पर उनकी कृतयिों के प्रदर्शन से कला प्रेमयिों और कलाकारों को इन कृतयिों का ऐतहिासकि आस्वादन प्राप्त होगा।

इस अवसर पर बोलते हुए **एन.जी.एम.ए. के महानदिशक श्री अद्वैत गणनायक** ने कहा ''इस प्रदर्शनी में प्रख्यात प्रनि्टमेकर्स और कार्यरत कलाकारों की कृतयिाँ शामलि हैं। मैं ललति कला अकादेमी को प्रथम प्रनि्ट द्ववािर्षकी भारत 2018 के आयोजन पर धन्यवाद देता हूँ। इस प्रदर्शनी के माध्यम से हमें प्रटिमेकगि में नई प्रवृत्तयिों को देखने का अवसर प्राप्त हुआ है।"

प्रदर्शति कलाकृतयिों में भारत के जाने माने प्रटिमेकर्स जनिमे **ज्योति भट्ट, सनत कार, देवराज डाकोजी, पी.डी. धूमल, वजिय कुमार, आर.एम. पलानीअप्पन, ध्रुव मस्ित्री, कवति नायर, कृष्ण आहुजा, यूसूफ, लालू प्रसाद शॉ, वाल्टर डसिूज़ा और** अन्य प्रसद्धि कलाकारों की कृतयिाँ प्रदर्शति हैं।

इस प्रदर्शनी का एक उल्लेखनीय भाग है **छापाकला के अग्रणी**, जो कि इस माध्यम के सुनहरे युग का प्रतिबिम्ब है। यह इस शो का बड़ा आकर्षण है।

प्रिन्टमेंकिंग में भारतीय शिल्पकारों हेतु यह विशिष्ट मंच कला के इन अग्रणियों और विशेषज्ञों को यथोचित सम्मान प्रदान करता है साथ ही यह भारत और विदेशों से आए दर्शकों को प्रत्यक्ष रूप से उन मौलिक कृतियों को देखने का अवसर प्रदान करता है जो भारतीय कला के इतिहास में विलक्षण है। चयनित कृतियाँ भली-भाँति संरक्षित अवस्था में हैं। प्रदर्शनी इस सभी कारणों से विश्वस्तरीय बन गई है। प्रदर्शनी दर्शकों के अवलोकनार्थ 26 मार्च से 22 अप्रैल, 2018 तक खुली है।

इसके साथ-साथ ललित कला अकादेमी एन.जी.एम.ए. में अनुपम चक्रवर्ती द्वारा पेपरमेकिंग और अर्पण मुखर्जी द्वारा पेपर संरक्षण पर कार्यशाला भी आयोजित कर रही है। द्विवार्षिकी के दौरान ललित कला अकादेमी के गढ़ी स्टूडियो में ग्राफिक व प्रिन्टमेकिंग में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं की कार्यशाला 10 से 19 अप्रैल, 2018 तक आयोजित की जाएगी। साथ ही श्री संचयन घोष और श्री अमित मुखोपाध्याय की 2 समानान्तर परियोजनाएँ ललित कला अकादेमी में आयोजित की जाएँगी।